संपादकीय

कोरोना वायरस आया कहां से, छुपाइए मत

कोविड-19 के शुरुआती दौर में इस पर काफी बहस हुई कि यह वायरस आया कहां से। तब कहा गया कि यह समय कोविड-19 का मिलकर सामना करने का है, दोषारोपण या विवाद का नहीं। इस वजह से यह बहस मंद पड़ गई। कुछ प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों के सामूहिक बयान भी प्रकाशित हुए थे कि किसी प्रयोगशाला में कोविड-19 वायरस तैयार करने की कोई संभावना है ही नहीं। लेकिन इसके बाद यह सामने आया है कि जिन वैज्ञानिकों ने ये बयान जारी करवाए थे, उनमें से कुछ वायरस में जेनेटिक बदलाव के अनुसंधान से जुड़े हुए थे। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन के जांच दल के चीन जाने से भी इस बहस को नया जीवन मिला। यह भी कहा गया कि यदि विवाद के मुद्दों की सही पड़ताल नहीं की गई तो आगे भी ऐसे अनुसंधान होते रहेंगे, जिनसे गंभीर खतरे पैदा हो सकते हैं। इसलिए विवाद को सुलझाना जरूरी है।

गेन ऑफ फंक्शन- इस विवाद के मूल में इस तरह के अनुसंधान हैं, जो विभिन्न वायरस को कृत्रिम या जेनेटिक ढंग से बदल कर उनकी मनुष्य को हानि पहुंचाने की क्षमता को बढ़ाते हैं। इसे 'गेन ऑफ फंक्शन' अनुसंधान भी कहते हैं। यह पहली नजर में लोगों को बहुत खतरनाक लगता है। अनेक वायरस विशेषज्ञ भी ऐसा ही कहते हैं। इसके उलट इन अनुसंधानों से जुड़े वैज्ञानिक कहते हैं कि ऐसी रिसर्च से भविष्य की महामारियों और पशु से मनुष्य तक वायरस पहुंचने की आशंकाओं का पता चलता है। वैक्सीन और इलाज के बारे में भी समझ बनती है। इस बात से कई वैज्ञानिक सहमत नहीं हैं। फिर भी यह तथ्य अपनी जगह है कि इस अनुसंधान के लिए करोड़ों डॉलर के अनुदान नियमित तौर पर अनेक देशों में मिलते रहे हैं।

इस तरह यह विवाद वर्षों से चलता रहा है। वर्ष 2014 में अमेरिका की प्रयोगशालाओं में वायरस से जुड़ी तीन बड़ी दुर्घटनाओं के बाद इस विवाद ने जोर पकड़ लिया और अमेरिकी सरकार ने ऐसे 'गेन ऑफ फंक्शन' रिसर्च के कुछ पक्षों पर अस्थायी रोक लगा कर इसकी समीक्षा आरंभ कर दी। रोक लगाते समय कहा गया कि यदि प्रमुख अधिकारियों को जन-स्वास्थ्य या राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से कोई अनुसंधान जरूरी लगे तो इसे जारी रखा जा सकता है। इसका लाभ उठाते हुए एक ऐसे प्रॉजेक्ट को अनुदान जारी रखा गया, जो पहले से ही विवादित थे। इस प्रॉजेक्ट के अंतर्गत अनुदान अमेरिका के एलर्जी और संक्रामक रोगों के राष्ट्रीय संस्थान द्वारा न्यू यॉर्क स्थित संस्थान इकोहेल्थ को दिया जाता था और इकोहेल्थ द्वारा यह अनुदान आगे चीन में वुहान वायरोलॉजी संस्थान को। वुहान वायरोलॉजी संस्थान चीन में कोरोना वायरस अनुसंधान का सबसे बड़ा केंद्र है। यहां एक महिला वैज्ञानिक के नेतृत्व में ऐसा अनुसंधान हो रहा था, जिसमें चमगादड़ से प्राप्त कोरोना वायरसों को जेनेटिक ढंग से बदलकर उनकी मनुष्य को हानि पहुंचाने की क्षमता को बढ़ाया जा रहा था। फिर इसे मनुष्य की कोशिकाओं के आधार पर परिवर्तित चूहों पर आजमाया जा रहा था जिससे पता चले कि मनुष्य में अधिक संक्रमण करने की क्षमता वाला कोरोना वायरस कैसे ज्यादा खतरनाक बन सकता है। चूंकि इसके लिए अनुदान अमेरिका से ही मिल रहा था, इसलिए इसके अमेरिका में उपलब्ध रेकॉर्ड के आधार पर इसकी पुष्टि की जा सकती है। जैसे ही दिसंबर 2019 में कोविड-19 फैलने की खबर आई तो चीन और अमेरिका दोनों में ऐसे वायरस अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक और अधिकारी गहरी चिंता में पड़ गए कि अब दोष उन पर आ सकता है। उन सबने मिलकर, एकजुट होकर यही कहा कि वुहान वायरस अनुसंधान की प्रयोगशाला में कोई दुर्घटना नहीं हुई है। चमगादड़ के कोरोना वायरस का प्रसार वुहान के उस 'वेट' बाजार में हुआ है, जहां जंगली पशुओं का मीट बेचा जाता है। इस तरह कुछ समय के लिए यह विवाद थम गया। बाद में जब कोविड-19 का कहर बहुत बढ़ गया और संदेह उत्पन्न करने वाली कई अन्य संभावनाएं नजर आईं तो नए सिरे से यह विवाद जोर पकड़ने लगा।

-भारत डोगरा

नौकरी से हटाए गए एयर इंडिया के पायलटों की पुनर्बहाली के आदेश

» दिल्ली हाईकोर्ट ने बकाया वेतन भी भुगतान करने को कहा

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया के पिछले साल नौकरी से निकाले गए सभी पायलटों को बड़ी राहत देते हुए कंपनी के पिछले साल के निर्णय को मंगलवार को पलट दिया और उनकी पुनर्बहाली के आदेश दिए। जस्टिस ज्योति सिंह ने एयर इंडिया को यह निर्देश दिए साथ ही अपने आदेश में उन्होंने कहा कि इन पायलटों को पुराने भत्ते भी देने होंगे। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि कॉन्ट्रैक्ट पर काम करने वाले पायलटों के कॉन्ट्रैक्ट को भविष्य में बढ़ाने का निर्णय एयर इंडिया उनके कामकाज के आधार पर लेगी।

हाईकोर्ट ने कहा कि मामले में विस्तृत आदेश बुधवार को ही उपलब्ध हो सकेंगे। हाईकोर्ट ने यह आदेश पायलटों की ओर से दाखिल 40 से अधिक याचिकाओं पर दिया, जिनकी नौकरी एयर इंडिया ने पिछले वर्ष 13 अगस्त को समाप्त कर दी थी।

एयर इंडिया ने पायलटों के टर्मिनेशन को लेकर कहा था कि कोरोना संकट की वजह से एयरलाइन के ऑपरेशन पर भारी असर पड़ा है। जिसके कारण पहले से घाटे में चल रही कंपनी को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। 48 पायलटों को टर्मिनेशन लेटर देने से कुछ हफ्ते पहले ही एयर इंडिया ने कहा था कि किसी भी कर्मचारी को नौकरी से नहीं निकाला जाएगा।

इनमें से कुछ पायलटों ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था, लेकिन नियमों के मुताबिक उन्होंने 6 महीने के भीतर इसे वापस भी ले लिया था। टर्मिनेशन लेटर में कर्मचारियों को बताया गया कि आपके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया गया है। इंडियन कॉमर्शियल पायलट एसोसिएशन ने एयर इंडिया के इस फैसले को गैरकानूनी बताया था।

विमान ईंधन एक फीसदी सस्ता

नई दिल्ली। विमान ईंधन की कीमतों में आज से एक प्रतिशत के करीब कटौती की गई है जिससे विमान सेवा कंपनियों को थोड़ी राहत मिलेगी।

देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज से विमान ईंधन की कीमत 64,118.41 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। इससे पहले यह 64,770.53 रुपये प्रति किलोलीटर पर था। इस प्रकार यह 652.22 रुपये यानी 1.01 प्रतिशत सस्ता हुआ है।

मई में इसकी कीमत दो बार बढ़ाई गई थी। गत 01 मई को इसके मूल्य में सात फीसदी और 16 मई को फिर पांच फीसदी की वृद्धि की गई थी। दो बार में दिल्ली में इसका दाम 6,965.25 रुपये प्रति किलोलीटर बढ़ा था।

मुंबई में विमान ईंधन का मूल्य 745.53 रुपये कम होकर 62,271.49 रुपये, कोलकाता में 624.37 रुपये कम होकर 68,271.49 रुपये और चेन्नई में 658.67 रुपये घटकर 65,715.74 रुपये प्रति किलोलीटर रह गया।

कोरोना प्रकोप के बावजूद बजाज ऑटो की बिक्री मई में 114 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई। बजाज ऑटो ने कहा कि मई 2021 में उसके कुल वाहनों की बिक्री पिछले साल के समान महीने की तुलना में 114 प्रतिशत बढ़कर 2,71,862 इकाई हो गई। बजाज ऑटो ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल मई में 1,27,128 वाहन बेचे थे। कंपनी ने कहा कि मई 2021 में घरेलू बिक्री 52 प्रतिशत बढ़कर 60,830 ईकाई हो गई, जो मई 2020 में 40,074 इकाई थी। समीक्षाधीन अवधि में कुल निर्यात 142 प्रतिशत बढ़कर 2,11,032 इकाई हो गया, जो मई 2020 में 87,054 इकाई था। एक अन्य विज्ञप्ति में एमजी मोटर इंडिया ने बताया कि मई 2021 में उनकी बिक्री 1,016 इकाई रही, जबकि पिछले साल के समान माह में यह आंकड़ा 710 था। कंपनी ने बताया कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर को रोकने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के चलते उसका कारोबार प्रभावित हुआ।

पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी जारी

नई दिल्ली। पेट्रोल-डीजल की कीमतें लगातार दूसरे दिन बढ़कर नये रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गईं। अग्रणी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली समेत देश के चार महानगरों में आज पेट्रोल की कीमत 26 पैसे तक और डीजल की कीमत 24 पैसे तक बढ़ी। राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल 26 पैसे महंगा होकर 94.49 रुपये और डीजल 23 पैसे महंगा होकर 85.38 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। गत 04 मई से अब तक 17 दिन इनके दाम बढ़ाये गये हैं जबकि शेष 12 दिन कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

दूसरी लहर के कारण मई में सुस्त पड़ा विनिर्माण का पहिया

नई दिल्ली। कोविड-19 की दूसरी लहर के कारण मई में विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार सुस्त पड़ गई और इसकी वृद्धि दर 10 महीने के निचले स्तर पर आ गई।

मई में विनिर्माण के क्षेत्र का खरीद प्रबंधक सूचकांक पीएमआई 50.8 दर्ज किया गया जो अप्रैल के 55.5 की तुलना में काफी कम है। यह पिछले साल जुलाई के बाद का निचला स्तर है। पीएमआई का 50 से उपर रहना वृद्धि को और इससे कम रहना गिरावट दर्शाता है जबकि 50 का स्तर स्थिरता का द्योतक है।

कोविड-19 संकट गहराने से भारतीय विनिर्माण क्षेत्र पर दबाव के चिह्न दिखने लगे हैं। बिक्री, उत्पादन और कच्चे माल की खरीद जैसे प्रमुख पैमानों में मई में काफी गिरावट देखी गई और ये 10 महीने के निचले स्तर पर आ गये। अप्रैल की तुलना में सभी पैमानों में गिरावट रही। नये ऑर्डर में कमी आने से कंपनियों ने कर्मचारियों की छंटनी जारी रखी। छंटनी की रफ्तार मई में बढ़ गई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि महामारी का संक्रमण बढ़ने और मांग पर इसके प्रभाव के कारण नये ऑर्डर और उत्पादन में 10 महीने की सबसे धीमी वृद्धि हुई। विदेशों से मिलने वाले ऑर्डरों की रफ्तार भी सुस्त पड़ गई। कच्चे माल की खरीद भी बेहद धीमी गति से बढ़ी और कंपनियों में लोगों को नौकरी से निकाला। कोविड-19 से जुड़े प्रतिबंधों और नये ऑर्डरों की कमी के कारण कंपनियों ने अप्रैल की तुलना में ज्यादा छंटनी की।

कोविड-19 महामारी के भीषण प्रकोप से विनिर्माण क्षेत्र में आई जोरदार गिरावट : पीएमआई

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के भीषण प्रकोप और मांग पर इसके हानिकारण प्रभाव के चलते भारत में मई 2021 के दौरान विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधियों में गिरावट देखने को मिली। आईएचएस मार्किट इंडिया मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) मई में गिरकर 50.8 पर आ गया, जो अप्रैल में 55.5 पर था। इस दौरान कंपनियों के पास नया काम और उत्पादन पिछले 10 महीनों में सबसे कम था। यदि पीएमआई 50 से ऊपर है, तो इसका अर्थ है कि गतिविधियों में बढ़ोतरी हो रही है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाते हैं। आईएचएस मार्किट में अर्थशास्त्र के एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, ''भारतीय विनिर्माण क्षेत्र में तनाव बढ़ने के संकेत हैं, क्योंकि कोविड-19 संकट तेज हो गया है। मौजूदा बिक्री, उत्पादन और कच्चे माल की खरीद मई में काफी कमजोर हो गई और ये पिछले दस महीनों में सबसे धीमी गति से वृद्धि की ओर इशारा कर रहा है। वास्तव में, सभी सूचकांक अप्रैल से नीचे थे।'' हालांकि, लीमा ने कहा कि विनिर्माण क्षेत्र में हानिकारक प्रभाव पिछले साल की तुलना में काफी कम गंभीर हैं।

आंखों की सूजन को दूर करने के लिए अपनाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगी राहत

सूजी आंखों से चेहरा भी बहुत अजीब सा लगने लगता है और यह समस्या अधिक रोने, अनिद्रा की समस्या, हैंगओवर, गलत खान-पान और एलर्जी आदि की कारणों से हो सकती है। कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप सूजी आंखों को जल्द ठीक कर सकते हैं।

❖ **कोल्ड कंप्रेस का करें इस्तेमाल-** अगर आप आंखों की सूजन से जल्द राहत पाना चाहते हैं तो इसके लिए कोल्ड कंप्रेस का इस्तेमाल लाभदायक सिद्ध हो सकता है। कोल्ड कंप्रेस के लिए आप ठंडे पानी का इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि इसमें सूजन को कम करने और घाव भरने के गुण भी मौजूद होते हैं। इसके लिए तौलिए का थोड़ा सा हिस्सा ठंडे पानी में डूबो लें और फिर इसे निचोड़कर चार-पांच मिनट आंख की प्रभावित जगह पर लगाकर रखें।

❖ **खीरा भी है बेहतर विकल्प-** खीरे का इस्तेमाल करके भी आप आंखों से जुड़ी कई समस्याओं से राहत पा सकते हैं और इसमें आंखों की सूजन को ठीक करना भी शामिल है। आंखों की सूजन से राहत पाने के लिए दो से तीन मिनट के लिए खीरे की दो मोटी स्लाइस को ठंडे पानी में भिगोएं और फिर इसे 10 मिनट के लिए अपनी बंद आंखों पर रखें। इससे न सिर्फ आंखों को ठंडक मिलेगी बल्कि आंखों की सूजन भी धीरे-धीरे कम होने लगेगी।

❖ **ग्रीन टी बैग आएंगे काम-** ग्रीन टी में एंटी-ऑक्सीडेंट्स गुण मौजूद होता है, जो आंखों की सूजन को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुछ मिनट ग्रीन टी बैग को फ्रिज में रखें और फिर इन्हें फ्रिज से निकालकर ज्यादा से ज्यादा 10 मिनट तक अपनी आंखों पर रखें।

❖ **अंडे के सफेद भाग का आई मास्क बनाए-** अंडे के सफेद भाग में ऐसे एंजाइम मौजूद होते हैं, जो आंखों की सूजन को ठीक करने में प्रभावी ढंग से काम कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले एक अंडे को फोड़कर इसके सफेद भाग को एक कटोरी में निकाल लें।

आज का राशिफल

मेष : आज आप घर की बातों के प्रति अधिक ही ध्यान देंगे। परिवारजनों के साथ बैठकर महत्त्वपूर्ण चर्चा करेंगे तथा घर की कायापलट करने के लिए कुछ नई साज-सजावट का विचार करेंगे।

वृषभ : विदेश में स्थित स्नेहीजन तथा मित्रों के समाचार आपको आनंद प्रदान करेंगे। विदेश जाने के इच्छुक व्यक्ति के लिए अच्छा अवसर है। लंबे प्रवास का आयोजन हो सकता है।

मिथुन : नए कार्य का प्रारंभ तथा रोगोपचार प्रारंभ करना हितावह नहीं होगा। क्रोध की भावना को संयम में नहीं रखेंगे तो अनिष्टकर प्रसंग होने की संभावना है। खर्च अधिक होगा।

कर्क : व्यावसायिक क्षेत्र में आप को लाभ होगा। आरोग्य अच्छा रहेगा। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा या प्रवास का आयोजन कर सकेंगे।

सिंह : पारिवारिक सदस्यों के साथ वाणी में संयम बरतिएगा। जिससे संघर्ष टाल सकेंगे। दैनिक कार्य में विघ्न आ सकते हैं। इसलिए कार्य संपन्न होने में मदद मिलेगी।

कन्या: आकस्मिक खर्च की संभावना है। विद्यार्थियों को पढ़ाई में बाधाएं आएंगी। प्रियजन के साथ हुई मुलाकात से मन आनंदित होगा। पेट से संबंधित पीड़ा हो सकती है।

तुला : मन में संवेदनशीलता की मात्रा अधिक रहेगी। शारीरिक स्फूर्ति का अभाव रहेगा। मानसिक व्यग्रता भी रहेगी। धन और कीर्ति की हानि होगी। माता के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

वृश्चिक: दिनभर चित्त की प्रसन्नता बनी रहेगी। भाई-बंधुओं के साथ गृहविषयक आवश्यक चर्चा करेंगे। आर्थिक लाभ तथा भाग्यवृद्धि के योग है। छोटे प्रवास का आयोजन हो सकता है।

धनु : असमंजस के कारण निर्णय लेना कठिन होगा। मन में व्यग्रता रहेगी। परिवारजनों के साथ मनमुटाव न हो इसका ध्यान रखिएगा।

मकर : आज प्रातःकाल का प्रारंभ ईश्वर स्मरण के साथ होने से मन प्रफुल्लित रहेगा। पारिवारिक वातावरण मंगलमय रहेगा। मित्रों, स्नेहीजनों से आपको उपहार प्राप्त होंगे।

कुंभ : आज शारीरिक और मानसिक रूप से अस्वस्थता बनी रहेगी। परिवारजनों के साथ कलह होने की संभावना है। धन की लेनदेन या पूंजी निवेश करते समय ध्यान रखिएगा।

मीन : संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। बचपन के या पुराने मित्रों के साथ भेंट होने से आनंद छाया रहेगा।

स्टार का आइडिया तेजी से बदल रहा है: तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया का मानना है कि डिजिटल क्षेत्र में तेजी के बाद स्टार का आइडिया तेजी से बदल रहा है। तमन्ना एक दशक से भी अधिक समय से तमिल और तेलुगु उद्योगों में सबसे बड़े नामों में से एक रही हैं और उन्होंने बॉलीवुड और कन्नड़ फिल्मों में भी अभिनय किया है। बड़े पर्दे पर सफलता का स्वाद चखने के बाद, उन्होंने अब डिजिटल स्पेस में कदम रखा है। इस साल, वह वेब श्रृंखला द 11 ऑवर और हाल ही में, नवंबर स्टोरी में नजर आयेंगी।

तमन्ना ने बताया वह निश्चित रूप से दो माध्यमों के बीच चयन करने की आवश्यकता महसूस नहीं करती है। इसमें से चुनने के लिए कुछ भी नहीं है क्योंकि कम से कम मेरे मामले में मेरे पास दोनों हैं। मुझे लगता है कि फैन फॉलोइंग एक हो सकती थी। कहते हैं, 10 साल पहले आज की पीढ़ी के लिए मुश्किल होगी, क्योंकि स्थिति के साथ महामारी के कारण, फिल्मों के इर्द-गिर्द भावनाएं अलग हैं। सिनेमा को देखने का तरीका अलग होने वाला है।

उन्होंने कहा, इसलिए, एक स्टार का पूरा विचार बहुत तेजी से बदल रहा है, और लोग कंटेंट देख रहे हैं और कंटेंट को पसंद कर रहे हैं, न कि केवल एक अभिनेता या व्यक्तिगत प्रतिभा के लिए।

उन्होंने कहा, तमन्ना खुद को भाग्यशाली मानती हैं कि उन्होंने सिनेमा के माध्यम से एक वफादार प्रशंसक बनाए हैं। मुझे लगता है कि 10 साल पहले मैंने जो स्टारडम का विचार देखा था, वह शायद एक वफादार प्रशंसक विकसित करने का सबसे जैविक तरीका था, जिसका अनुभव करने का मुझे सौभाग्य मिला है।

यश चोपड़ा बहुत प्रगतिशील निर्देशक थे: माधुरी

बॉलीवुड की डांसिंग डिवा माधुरी दीक्षित नेने मानती हैं कि दिवंगत फिल्म निर्माता यश चोपड़ा बहुत ही प्रगतिशील फिल्म निर्माता थे और उन्होंने हमेशा समय के साथ अच्छा तालमेल बिठाया। माधुरी ने हाल ही में अपने प्रशंसकों के साथ बातचीत करते हुए अपनी राय व्यक्त की, जहां उनके फैन क्लब ने हैशटैग मैडजनेस अवार्ड बनाया। ये माचिस की डिब्बियों का उपयोग करके बनाए गए पुरस्कार हैं और स्मृति चिन्ह के रूप में प्रस्तुत किए जाते हैं। प्रशंसकों के वोटों के आधार पर पुरस्कारों की श्रेणियां तय की गई हैं। बातचीत के दौरान, चोपड़ा की 'दिल तो पागल है' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म, सर्वश्रेष्ठ संगीत और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार घोषित किया गया। माधुरी ने कहा यशजी एक बहुत ही प्रगतिशील निर्देशक थे और उन्होंने हमेशा समय के साथ तालमेल बिठाया। उनकी 'दीवार', 'दाग', 'काला पत्थर' जैसी कई फिल्में बहुत प्रगतिशील हैं।

घर पर बनाएं रेस्टोरेंट जैसा मशरूम पेपर फ्राई

रेस्टोरेंट में मिलने वाला मशरूम पेपर फ्राई घर में भी आसानी से तैयार किया जा सकता है। तो आइए जानते हैं इसकी क्रिक एंड ईजी रेसिपी।

सामग्री :

मशरूम- 300 ग्राम, घी/मक्खन- 2 चम्मच, सूखी लाल मिर्ची- 2, प्याज- 1 कटा हुआ, शिमला मिर्च- 1/2, अदरक- 1 इंच बारीक कटा हुआ, करी पत्ता- 8-10, सरसों- 1 चम्मच, नमक स्वादानुसार

मसाला तैयारी करने के लिए- 1 चम्मच काली मिर्च, सूखा धनिया बीज- 1/2 चम्मच, सौंफ- 1/2 चम्मच, जीरा- 1/2 चम्मच

विधि :

मिक्सर में काली मिर्च, जीरा, सौंफ, साबुत धनिया को डालकर पीसकर अलग रख दें। कढ़ाई में घी गर्म करें। फिर इसमें सूखी लाल मिर्च, सरसों दाना और करी पत्ता डालकर तड़काएं। अब इसमें कटा हुआ अदरक और प्याज डालकर गुलाबी होने तक भून लें। इसके बाद इसमें मशरूम डालकर तेज आंच में पकाएं। जब तक कि इसका पानी सूख न जाए। अब बारी है इसमें कटी हुई शिमला मिर्च डालने की, इसे भी लगभग दो से तीन मिनट तक पकाएं। अब इसमें मिक्सी में पिसा हुआ मसाला डालकर मिक्स कर लेंगे। अब एक से दो मिनट के लिए और पकाएं। आपका मशरूम पेपर फ्राई सर्व करने के लिए रेडी है।

शब्द सामर्थ्य- 97

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

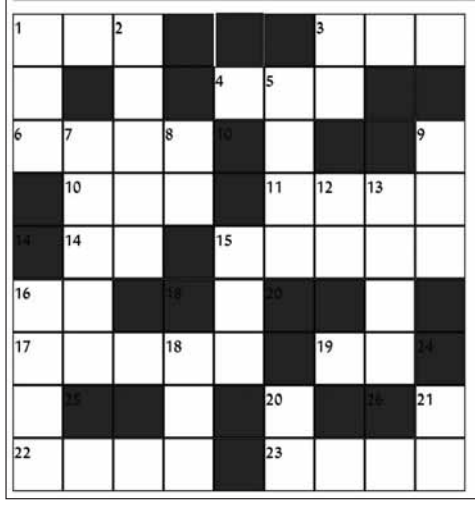

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 96 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

सू-दोकू- 97

9		8		1		7		
4		6			7		5	
	3			6		8		9
		3			1		6	
5			6			9		
		9		5			3	
3			7		9			1
	5			2		3	9	
1		4			8		7	

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.96 का हल

7	5	6	4	1	2	8	3	9
3	4	8	6	7	9	2	1	5
1	2	9	5	3	8	7	4	6
2	8	1	9	5	6	4	7	3
6	9	7	2	4	3	5	8	1
5	3	4	7	8	1	9	6	2
8	7	2	1	6	5	3	9	4
4	6	5	3	9	7	1	2	8
9	1	3	8	2	4	6	5	7